कीट व रोग का आंकलन/जांच
(Pest Montioring/Surveillance)

इसका मुख्य उद्देष्य शत्रु कीटों/रोगों की प्रारंम्भिक अवस्था, मित्र कीटों के खेतों में मौजूदगी के बारे में जानकारी खेतों मे जाकर फसल उगने के उपरान्त हर सप्ताह फसल कटने तक करना। जांच (सर्वेवक्ष) निम्न प्रकार से कर सकते हैः–

1. **निश्चित खेत जांचः** इसमें इसमें एक निश्चित खेत की फसल में कीट रोग व मित्र कीटो का साप्ताहिक सर्वेक्षण करें।
2. **रोपिड राविंग सर्वे (जल्दी घूम कर निगरानी करना) :** जिन फसलों का मौसम शुरू होने के पूर्व जिस क्षेत्र में कीट/रोगों का प्रभाव स्थाई रूप से होता हो उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर निगरानी भागों का निर्धारण करके 7–10 दिन के अन्तराल में प्रत्येक 10 कि.मी. की दूरी पर रूक–रूक खेतो में जाकर निगरानी करें। फूल फली बनने की अवस्था में निगरानी सप्ताह में दो बार करनी चाहिए एक हैकटयर क्षेत्र में कीट रोग व मित्र किटों की जाच 30–40 पौधों पर करके, स्थिति की जाच करें।
3. **खेत की स्काउटिंग (खेत की जांच):** कषषि पर्यावरण विशलेषण आधार पर कष्षको को गांव स्तरों पर सप्ताह में दो बार खेत में जाकर कीट/रोग व मित्र कीटो की जांच कर लेनी चाहिए जिससे कीट/रोग व मित्र कीटों के बारे में जानकारी होती रहे ताकि समयानुंसार कीट नियंत्रण की विधियों का प्रयोग किया जा सके।
4. **एग्रो इको सिस्टम एनलसिस (कषषि पर्यावरण विशलेषण):** कष्षक अपने खेतो में जाकर फसल की स्थिति की जानकारी, कीट/रोग व मित्र, कीठों, भूमि और पौधो की दशा तथा वातावरण का असर स्वास्थ पौधों की बढ़वार पर असर डालने वाले कारकों के बारें में जानकारी करें तथा निर्णय लेकर आई. पी. एम. कि विधियां अपनायें।
5. **फिरोमॉन ट्रेपः** फिरोमॉन ट्रेप, यलो वाटर पेन ट्रेप एवं स्टिकी (चिपचिपा) ट्रेप द्वारा कीटों की संख्या का आकलन कर समय पूर्व किसी कीट की संख्या में होने वाली वषद्धि का अनुमान लगाया जा सकता है। इसके लिए 5–10 ट्रेप प्रति हेक्टेयर के हिसाब से लगाना चाहिए।

आर्थिक हानि/क्षति स्तर :

आई. पी . एम. की व्यवस्था में नाशी जीवों की संख्या का आकलन (कीट निगरानी) का कार्य सब्जियों की फसलों पर विभिन्न कीटों के आर्थिक हानि स्तर के निर्धारित माप दण्डों से तुलना करने हेतु आवश्यक है क्योंकि उचित नाशी जीव नियन्त्रण विधि ा का चुनाव उचित समय पर करने का निर्णय इस तुलना पर ही आधारित है। विभिन्न फसलों के प्रमुख नााशी जीवों का आर्थिक हानि स्तर निकालने के लिए 20–30 पौधों की जांच प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत के विभिन्न स्थानों पर करके नाशी जीव नियन्त्रण की उचित विधियां अपनाने के बारे में निर्णय लें। फसलों में विभिन्न नाशी जीवों का ई. टी. एल. (आर्थिक क्षति स्तर) निम्न है :–

आर्थिक क्षति स्तर : (ETL)

क्र.सं.	कीट/रोग का नाम	फसल	आर्थिक क्षति स्तर
1.	तना छेदक	धान	5% सफेद व खाली वालियां या रोपाई से लेकर वालियां निकलने तक एक अण्ड समूह प्रति वर्ग मीटर या वालियां बनने के बाद वर्ग मीटर में एक व्यस्क पतंगा।धान की रोपाई से लेकर वालियां निकलने तक प्रति हिल एक मुड़ा हुआ पता।
2.	पत्ती लपेटक	धान	1–2 व्यस्क प्रति हिल रोपाई के बाद या 10% से अधिक फसल कीट ग्रसित हो
3.	हिप्सा	धान	10% से अधिक फसल कीट से ग्रसित हो
4.	तना बेधक	मक्की	8 अण्ड समूह प्रति 100 मीटर लाइन की लम्बाई में।
5.	बालों वाली सुण्डी (हेयरी कैटरपिल्लर)	मक्की, माश, मूंग, कुल्थी राजमाश, हरहर	2 से 3 अण्डे प्रति पांच टहनियां फूल आने से पहले
6.	फल या फली छेदक	चना, टमाटर, मिर्च, मटर	1 एक सुण्डी फूल आने पर प्रति पौधा 2 संण्डियां प्रति मीटर लाईन की लम्बाई में या 5% ग्रासित फल या फलियां 10 से 20 पतंगे प्रति फिरोमोन ट्रेप लगातार तीन दिनों तक।
7.	तना व फल छेदक	भिंडी	10% पौधे या सुण्डियां प्रति 20 पौधे
8.	सफेद मक्खी	बैंगन, भिंडी, मूंग, माश, टमाटर	4 व्यस्क प्रति पत्ता
9.	तेला(एफिड)	फूल गोभी राया सरसों	30 तेले प्रति पौधा
10.	तेला(एफिड)	भिंडी, टमाटर मिर्च, कददू,	50–60 तेले प्रति 10 सैं. मी पौधे का ऊपरी भाग में या 40–50% ग्रासित पौधे 54 जैसिड प्रति पत्ती

11.	जैसिड	वंशीय सब्जियां	5 जैसिड प्रति पत्ती।
12.	थ्रिप्स	प्याज मिर्च	6 थ्रिप्स प्रति पत्ता या 10 ग्रासित पौधे
13.	आलू का पतंगा (पोटेटो टयूवर मौथ)	आलू	15–20 पतंगे प्रति फेरोमॉन ट्रेप लगातार 3 दिंनो तक।
14.	पिछेता झुलसा रोग	आलू	1% तक पत्ती का हिस्सा ग्रसित होना
15.	बैकटीरियल विल्ट	आलू	1% ग्रसित पौधों कि संख्या
16.	पत्ती खाने वाली इल्लियां कटुआ कीट	आलू	5% आक्रांत पत्तियां
17.	हीरक पीठ कीठ	फूल/बंद गोभी	2% पौधें को नुकसान
18.	पत्ती खाने वाले बीटल	कददू वंशीय सब्जियां	रोपाई के एक महा तक 10 माध्यम आकार की सुण्डियां प्रति पौधा या रोपाई के 1 से 2 मध्यम आकार की सुंडियां प्रति पौधा।
19.	नीमाटोड	मिर्च	1 कीठ प्रति वर्ग मीटर
20.	माइठ	भिंडी	1–2 गिडार प्रति ग्राम मिट्टी में।
21.	लाल मकड़ी (माइठ)	भिंडी	5–10 माईट प्रति पौधा।
22.	गिडार (मेगट)	प्याज	1 गिडार प्रति झुण्ड।